

अनंतरूप वि. (तत्.) 1. अनगिनत रूपों वाला 2. विष्णु का एक विशेषण।

अनंतरहित वि. (तत्.) 1. लगा, सटा हुआ, मिला हुआ 2. क्रमबद्ध 3. अखंड 4. जो छिपा हुआ या गूढ़ न हो 5. जो अदृश्य, गायब न हुआ हो।

अनंतवान वि. (तत्.) जिसका अंत होने वाला न हो, अंतरहित, असीम या नित्य।

अनंतविजय पुं. (तत्.) युधिष्ठिर के शंख का नाम वि. असंख्य बार विजय दिलाने वाला।

अनंतशक्ति वि. (तत्.) 1. असीम शक्ति वाला 2. सर्वशक्तिमान 3. परमात्मा।

अनंतशायी पुं. (तत्.) शेषनाग पर शयन करने वाला (भगवान विष्णु), अनंतशयनम्।

अनंतशीर्ष पुं. (तत्.) सहस्रशीर्ष विष्णु, परमेश्वर, शेषनाग।

अनंतशीर्षा स्त्री. (तत्.) वासुकि नाग की पत्नी।

अनंतश्री वि. (तत्.) अनंत ऐश्वर्य से युक्त, असीम श्री, सौन्दर्य वाला, परमात्मा।

अनंतस्थ वि. (तत्.) अनंत पर स्थित, गणित में 'अनन्त बिन्दु' की कल्पना इसकी स्थिति को असंभव मानते हुए भी की गई है जैसे समांतर रेखाएँ अनंतस्थ बिंदु पर मिलती हैं।

अनंतस्पर्शी वि. (तत्.) किसी वक्र रेखा को अनंत पर स्पर्श करने वाली सरल रेखा, वह सरल रेखा जो निरंतर किसी वक्र रेखा की ओर प्रवृत्त होती जाती है परंतु उसे कभी स्पर्श नहीं करती।

अनंता स्त्री. (तत्.) 1. पृथ्वी 2. पार्वती (देवी) 3. रेशमी धागों का बना एक आभूषण जो अनंत चतुर्दशी को दाहिनी भुजा में स्त्रियों द्वारा बांधा जाता है।

अनंताधिवासी वि. (तत्.) अनंत में निवास करने वाला, सर्वव्यापी, परमात्मा।

अनंताभिधेय वि. (तत्.) अगणित नामों वाला, ईश्वर, परमात्मा।

अनंतिम वि. (तत्.) जिसे (अभी) अंतिम रूप नहीं दिया गया हो। अंतिम निर्णय से पहले का, जिसे अभी प्रयोग के तौर पर देखा जा रहा हो तु. अंतरिम।

अनंत्य वि. (तत्.) [अन्+अन्त्य] 1. अनंतता, असीमता, जो कभी समाप्त न हो 2. नित्यता।

अनंद वि. (तत्.) [अ+नन्द] आनंदरहित, हर्षरहित, प्रसन्नतरहित (पुं.) आनंद, हर्ष का अभाव 2. एक समवर्णिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में क्रमशः जगण, रगण, जगण, रगण, लघु और गुरु (ज र ज र ल ग) के योग ये 14 वर्ण होते हैं।

अनंबर वि. (तत्.) अंबर अर्थात् वस्त्र से रहित, निर्वस्त्र, नंग पुं. एक प्रकार का जैन साधु दिगंबर।

अनंभ वि. (तत्.) [अन+अंभस] 1. जल रहित 2. बिना विघ्न-बाधा का, विघ्नरहित।

अनंश वि. (तत्.) 1. जिसका कोई अंश, भाग न हो 2. पैतृक संपत्ति में भाग न पाने वाला।

अन-अपीलीय वि. (संकर) वह निर्णय जिस के विषय में उच्चतर न्यायालय अथवा उच्चतर प्राधिकरण आदि के समक्ष पुनर्विचार के लिए आवेदन नहीं हो सकता।

अनकंप वि. (तद्.) 1. कंपनरहित 2. दृढ़, पक्का 3. स्थिर।

अनक पुं. (तद्.) 1. बड़ा ढोल, नगाड़ा 2. गरजने वाला, बादल।

अनकहनी वि. (तद्.) 1. न कहने योग्य, अकथनीय 2. अनुचित।

अनकहा वि. (तद्.) बिना कहा हुआ, अनुक्त, अकथित।

अनकाढ़ा वि. (तद्.) जो निकाला न गया हो, बिना निकाला हुआ।

अनक्ष वि. (तत्.) 1. बिना आँख का, अंधा 2. जहाँ बहेड़ा या रुद्राक्ष का वृक्ष न हो 3. जिसका अक्ष न हो, अक्षर हित।